



**धमाका
डिस्काउंट ऑफर**

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

Periodicity- Weekly

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

05 फरवरी 2025

वर्ष - 02, अंक - 40 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 79,325 Silver 96,500 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

सांवरिया सेठ की जय, जय घोष से गुंजायमान हुआ मालवा मेवाड़ फूलों के रथ में विराजित होकर शाही ठाटबाट से निकले श्री सांवरिया सेठ जी



अरुल अशोक अरोरा (गंगानगर) द्वारा आयोजित ऐतिहासिक श्री सांवरियाजी पैदल यात्रा में हजारों की संख्या में पहुँचे भक्त, जगह जगह हुआ भव्य स्वागत



नीमच । देशभर की आस्था के केंद्र और मालवा मेवाड़ के सेठ संवारा की विशाल एवं भव्य पैदल यात्रा आज सुबह नीमच से मंडफिया के लिए रवाना हुई। जिसमें शहर सहित पूरे अंचल के सेठ के हजारों भक्तों ने सांवरिया सेठ की जय के जयघोष के साथ यात्रा में भाग लिया। समाजसेवी अरुल अशोक अरोरा मित्र मण्डल के तत्वावधान में नीमच से सांवरिया तक की विशाल एवं भव्य पैदल यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं का जत्था नीमच के गुरुद्वारे पर एकत्रित होकर सांवरिया सेठ धाम मंडफिया की ओर धूमधाम से डीजे और ढोल

धमाकों की थाप पर नाचते गाते, सवारियां सेठ के जयकारे लगाते रवाना हुए। इस यात्रा के दौरान पैदल जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं के चाय पानी नाश्ता और रास्ते में विश्राम और भोजन प्रसादी सहित सम्पूर्ण उत्तम व्यवस्था की गई। नीमच से सांवरिया जी तक निकलने वाली इस धार्मिक पैदल यात्रा में भक्तों का जोश चरम पर रहा। इस दौरान जगह जगह पदयात्रियों की पुष्प वर्षा कर पैदल यात्रियों स्वल्पाहार के माध्यम से नगर वासियों ने अंगवानी की। इस दौरान यात्रा में पैदल यात्री भगवान श्री सांवरिया सेठ के भजनों पर

ढोल डीजे की थाप पर झूमते नाचते हुए चल रहे थे, पैदल यात्रा के दौरान अरुल अशोक अरोरा गंगानगर ग्रुप की लाजवाब व्यवस्थाएं रही। पैदल यात्रियों के लिए यात्रा के दौरान मेडिकल लगेज सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर पदयात्रा नीमच से निकली। पदयात्रा के साथ-साथ भगवान सांवरिया सेठ की सुसज्जित पुष्प हार से बनी आकर्षक झांकी पद यात्रियों सहित दर्शकों का मन मोह रही थी, सुसज्जित ट्रैक्टर ट्राली में भगवान सांवरिया सेठ की झांकी यात्रा के दौरान आकर्षण का केंद्र रही।

जगह जगह हुआ शोभायात्रा, भक्तों और समाजसेवी अरुल अशोक अरोरा का स्वागत - गुरुद्वारा चौराहे से लेकर यात्रा के पूरे मार्ग पर शहरवासियों और अनेकों समाजसेवी संगठनों ने भव्य स्वागत किया। यात्रा का सीआरपीएफ रोड, कलेक्टर चौराहे, कनावटी, डुंगलावदा, सगरना, नयागांव, निबाहेड़ा आदि जगह पर श्री सांवरिया सेठ उनके भक्तों और समाजसेवी अरुण अशोक अरोरा गंगानगर का अनेक संस्थाओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया नीमच में लगभग हर थोड़ी दूरी पर उनका स्वागत सत्कार हुआ।

दलित ओबीसी मतदाता बनाएंगे दिल्ली में सरकार



रमेश सर्राफ धमोरा

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी-बड़ी धोषणा की जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आआप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोट डालने में अब कुछ दिनों का समय ही शेष रह गया है। वहां चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर है। सभी दलों के बड़े नेता अपनी-अपनी पार्टी प्रत्याशियों को जीताने के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूरी दिल्ली में चुनावी चौरस बिछी हुई है। सट्टा बाजार में राजनीतिक दलों की हार-जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी इसका पता तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही चल पाएगा। मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी हुई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उनकी पार्टी की सरकार बने ताकि केंद्र व राज्य का झगड़ा समाप्त हो। कहने को तो दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह पूरे अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है।

दिल्ली में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, जिलोकपुरी, कौंडली, सीमापुरी, गोकलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा की 70 में से करीबन 30 सीटों पर दलित मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 2020 के



विधानसभा चुनाव में सभी 12 आरक्षित सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने चुनाव जीता था। इसलिए आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस दलित मतदाताओं पर है। दिल्ली के अनुसूचित जाति के मतदाताओं में से 38 फीसदी जाटव और 21 फीसदी वाल्मीकि है। पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के मतदाताओं के लिए देश भर में आरक्षित 84 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 30 सीट पर ही चुनाव जीत पाई थी। इंडिया गठबंधन के भाजपा द्वारा संविधान बदलने के नारे के कारण दलित मतदाता भाजपा से छिटककर विपक्षी खेमे में चले गए थे। इसी तरह दिल्ली में भी पिछले दो विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी 12 सीटों पर आम आदमी पार्टी लगातार जीतती आ रही है। इसलिए अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा व कांग्रेस इस बार के चुनाव में पूरा जोर लगा रही है।

भाजपा ने 12 आरक्षित सीटों के अलावा दो सामान्य सीटों मटिया महल से दीपति इंदौरा व बल्लोमारन से कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह भाजपा ने कुल 14 सीटो पर दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने भी नरेला से अनुसूचित जाति की अरुणा कुमारी को टिकट देखकर कल 13 सीटों पर दलित प्रत्याशियों को मैदान में

उतारा है। भाजपा व कांग्रेस की रणनीति है कि दलित मतदाताओं को आम आदमी पार्टी से दूर किया जाए। आम आदमी पार्टी ने 12 आरक्षित सीटों पर ही अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को टिकट दी है। हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दलित मतदाताओं का रुझान भाजपा की तरफ होने के चलते वहां भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी। इसी से उत्साहित होकर भाजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं की बहुलता वाली सीटों पर विशेष चुनावी प्रबंधन कर चुनावी रणनीति बना रही है। दिल्ली में जाट मतदाताओं की बहुलता वाली 10 सीटों महारौली, मुंडका, रिठाला, नांगलोई, मटियाला, पालम, नरेला, विकासपुरी, नजफगढ़ व बिजवासन पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। इस बार भाजपा आम आदमी पार्टी से इन सभी 10 सीटों को छीन कर अपनी वापसी का प्रयास कर रही है। भाजपा ने इस बार करीबन 14 टिकट जाट नेताओं को दी है। जिनमें पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं आप सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे कैलाश गहलोट भी बीजेपी टिकट पर बिजवासन से चुनाव लड़ रहे हैं। कैलाश गहलोट के भाजपा में जाने से आप के पास कोई बड़ा जाट नेता नहीं रह गया है जो जाट मतदाताओं को आप पार्टी से जोड़े रख सके। जबकि

भाजपा ने पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अरविंद केजरीवाल के सामने खड़ा कर दिल्ली के चुनाव को रोचक बना दिया है। दिल्ली में गुर्जर मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। इनके प्रभाव वाली छतरपुर, मुस्तफाबाद, तुगलकाबाद, घोंडा, गोकुलपुरी, ओखला पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। वहीं बदरपुर, करावल नगर व पालम पर भाजपा का कब्जा है। दिल्ली के पूर्व सांसद व बड़े गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को भाजपा ने मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार कर चुनाव को रोचक बना दिया है। दिल्ली में मदनलाल खुराना व साहिब सिंह वर्मा के बाद हमेशा बाहरी व्यक्ति ही मुख्यमंत्री बनता रहा है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल, अतिशी मालेर्ना जैसे लोग दिल्ली के मूल निवासी नहीं है। इसलिए दिल्ली के लोग चाहते हैं कि अब की बार दिल्ली का ही रहने वाला नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री बने ताकि उसे दिल्ली की असली नब्ज व समस्याओं की बखूबी जानकारी हो। जाट मतदाता चाहते हैं कि साहिब सिंह वर्मा के बाद एक बार फिर उनके बेटे प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाए ताकि दिल्ली का सर्वांगीण विकास हो सके। वही गुर्जर मतदाता रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री बनाने का का मांग कर रहे हैं। कहने को तो कांग्रेस भी पूरी सक्रियता से चुनाव लड़ रही है। मगर इंडिया गठबंधन में उनके साथी दलों द्वारा आम आदमी पार्टी को समर्थन देने के बाद कांग्रेस का मनोबल कमजोर हुआ है। इसी के चलते कांग्रेस का चुनाव प्रचार भी ज्यादा गति नहीं पकड़ पाया है। ऐसे में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के मध्य माना जा रहा है। दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी-बड़ी धोषणा की जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आआप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे। जिस पार्टी के पक्ष में दिल्ली के मतदाता मतदान करेंगे। वही पार्टी दिल्ली में सरकार बनाएगी। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

संपादकीय

दूर की सोचें राहुल गांधी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी दोनों के प्रति अब समान रूप से हमलावर हो गए हैं। दिल्ली में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने साफ-सुथरी राजनीति की बात की थी, लेकिन उनकी सरकार में सबसे बड़ा शराब घोटाला (आबकारी घोटाला) हो गया और वह 'शीश महल' में रहने लगे। इसी तरह उन्होंने भाजपा, मोदी और आरएसएस पर एक बार फिर देश में नफरत की राजनीति करने का आरोप लगाया।



सच तो यह कि राहुल गांधी को अपनी नीतियों को लेकर स्पष्ट होना चाहिए और यह समझ बनानी चाहिए कि उन्हें कब किसका और किस मुद्दे पर विरोध करना है। केजरीवाल पर उनका हमला लगभग वैसा ही है, जैसा भाजपा के होते हैं। तो क्या यह माना जाना चाहिए कि जो भाजपा का शत्रु है वह राहुल गांधी का भी शत्रु है। यह हास्यास्पद स्थिति है कि केजरीवाल

के मामले में राहुल गांधी भाजपा की लाइन ले रहे हैं। जब केजरीवाल जेल में थे तो वह उनकी रिहाई की मांग कर रहे थे और जब दिल्ली के चुनाव में उनकी पार्टी के साथ गठबंधन या समझौता नहीं हुआ तो उन पर तीखा हमला कर रहे हैं। अब राहुल गांधी को यह तय करना चाहिए कि ऐसा करके वह किसको फायदा पहुंचा रहे हैं और किसे नुकसान पहुंचा रहे हैं। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि अब उनकी मोहब्बत की दुकान वाला जुमला अर्थहीन हो चुका है। जब उनकी मोहब्बत की दुकान उनके गठबंधन 'इंडिया' यानी विपक्षी दलों के गठबंधन के साझेदारी को ही मोहब्बत नहीं दे पा रही है तो बाकी किसे देगी। शायद उनकी मोहब्बत सिर्फ उनके लिए है जो आंख मूंदकर उनके साथ आ जाए और जो उनका अपना ही क्यों ना हो, अगर उनके विरोध में आता है तो वहां उनकी मोहब्बत की दुकान बंद हो जाती है। दरअसल, जरूरत इस बात की है कि कांग्रेस अपने छोटे-छोटे दली स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एजेंडा तैयार करे और उसी के अनुसार अपने राजनीतिक दोस्त और दुश्मन को तय करे। अन्यथा इस समय राहुल गांधी जो कर रहे हैं उससे उनके दोस्त भी दुश्मन होते चले जाएंगे और इसकी भारी कीमत उनकी पार्टी कांग्रेस को चुकानी पड़ेगी?

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

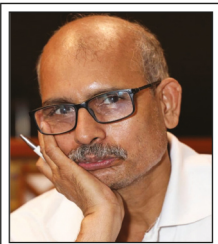
भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही आकर्षण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वजियों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है।

उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकर्षण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता को स्थायी समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकते।।



डॉ श्रीगोपाल नारसन

स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवम वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी डॉ. प्रह्लाद प्रसाद प्रजापति के कुशल नेतृत्व में देश के दो करोड़ स्वतंत्रता सेनानी परिवार एकजुट होने के रास्ते पर चल रहे है,ताकि उनकी ताकत के बल पर स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाया जा सके।इसी मुद्दे को लेकर 16 फरवरी को झारखंड की राजधानी रांची में स्वतंत्रता सेनानी महापरिषद राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रही है।कानपुर के स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी हरिराम गुप्ता की शिकायत है कि सरकार स्वतंत्रता सेनानी परिवारों तरफ ध्यान नहीं दे रही है,जबकि इन्ही परिवारों के बलबूते आज देश आजाद है और हम खुले मन से आजादी की सांस ले पा रहे है। उन्होंने



विनोद तकियावाला

मौलिकवादी इस युग में जहाँ प्रत्येक क्षेत्र में आज विज्ञान का तुती बोल रही है,वही वैश्विक मानचित्र के पटल पर इन्दिनों एक बार फिर से भारत की चर्चा चहुँ दिशाओं हो रही है।अवसर है आस्था व आध्यात्म के अविस्मरणीय स्वर्णिम पल की।सर्व विदिता रहे कि इन दिनों तीर्थराज्य की राजधानी धर्म नगरी प्रयागराज स्थित गंगा युमना व सरस्वती की पवित्र संगम स्थली पर भव्य व दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है।वूँ तो कुंभ चार वर्ष व महाकुंभ 12 वर्ष में लगता है।देश में सिर्फ चार जगहों पर 12 वर्ष के अंतराल में लगता है। ये चार शहर है हरिद्वार,प्रयागराज, उज्जैन और नासिक।इसी वजह से इन शहरों को कुंभनगरी कहा जाता है।जिनका उल्लेख पुराचीन हिंदू शास्त्रों व पुराणों में भी मिलता है,पौराणिक ग्रन्थ के अनुसार आदिकाल में जब समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश निकला था,जिसे पाने के लिए देवताओं व असुरों में होड़ मच गई थी।तब स्वयं भगवान विष्णु ने मोहिनी व धर्म धारण किया और असुरों को छलकर अमृत देवताओं को ही पिलाया था लेकिन इस दौरान कलश के अमृत की कुछ बूँद छलककर धरती पर आ गिरी थीं।ये बूँद हरिद्वार,प्रयागराज,उज्जैन और नासिक और इसी वजह से इन्हीं चार स्थलों महाकुंभ का आयोजन होता है।

आप के मन उठना स्वािमिक है कि हर 12 साल के बाद ही क्यों आता है।तो आप को बता दे कि अमृत के लिए असुरों और देवताओं के मध्य 12 दिनों का युद्ध हुआ था।मे स्पष्ट कर दूँ कि उस समय के।2दिव्य आज के एक दिन 12 साल के बराबर है।इसी कारण महाकुंभ का आयोजन पूरे।12साल के अंतर पर होता है।।पौराणिक मान्यता के अनुसार कुंभ मेले में स्नान

स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की संगठन शक्ति बढ़ाने के लिए देश के सभी जिले के स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को संगठन की वकालत की।उनका मानना है कि आजादी के आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता सेनानी के परिवार के लोगों को देश की अग्रिम पंक्ति का नागरिक माना जाना चाहिए ।उनकी दृष्टि में आज के जीवित स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान भारत रत्न की तरह होना चाहिए।वही उत्तराखंड में स्वतंत्रता सेनानी परिवार के उत्तराधिकारी अवधेश पंत का कहना है कि उत्तराखंड में जो सुविधाएं तत्कालीन हरीश रावत सरकार द्वारा शुरू की गई थी,उन सुविधाओं को देश के हर राज्यों में स्वतंत्रता सेनानी के परिवारों को मिलनी चाहिए,क्योंकि देश के महान स्वतंत्रता इतिहास को और उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।जिनन्होंने इस देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुतियां दी थी लेकिन आज उनके नाम और काम को भारत के इतिहास से मिटाने का षड्यंत्र भिन्न-भिन्न तरीकों से किया जा रहा है। मीसा बंदियों को महिमा मंडित कर उन्हें लोकतंत्र सेनानी बताकर उनको स्वतंत्रता सेनानियों से ऊपर करके सम्मानित किया जा रहा है।वही सरकार स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों का अपमान कर उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश में लगी है।लेकिन वह अब तक इसलिए

सफल हो पाई है क्योंकि देशभर में फैले स्वतंत्रता सेनानियो व शहीदों परिवारों के लगभग दो करोड़ परिवारो की शक्ति अब एकजुट हो गई है ।स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के परिवारों को एक माला में पिरोकर उन्हें अपने पूर्वजों के मान-सम्मान और अपने स्वयं के अस्तित्व की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए ही प्रतिबद्धित और संकल्पित किया जा रहा है।स्वतंत्रता सेनानी और शहीदों की शौर्य गाथाएं हमारे देश को उत्तर से लेकर दक्षिण तक तथा पूर्व से लेकर पश्चिम तक एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती हैं ।वही इस महापरिषद का एकमात्र उद्देश्य भी है कि हम अपने पूर्वज स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के बलिदान को याद रखें, उन्हें अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करें, जिससे आने वाली पीढ़ियां उनसे प्रेरणा लेती रहें तथा उनका बलिदान कभी भी विस्मृत न होने पाए। इसी लिए महापरिषद के पहल पर स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर देश के विभिन्न महानगरों व नगरों में मार्गों का नामकरण हो रहा है,साथ ही सार्वजनिक स्थलों व भवनों के नाम भी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर हो ऐसी कोशिश की जा रही है।देश के 26 राज्यों में संगठनात्मक रूप से सक्रिय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद ने राष्ट्रीय स्तर पर जहां 21 पदाधिकारियों को संगठन को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी है,वही राज्य स्तर पर भी संगठन की



मजबूती के लिए पदाधिकारी नियुक्त किये गए है,जिनमे नारी शक्ति को भी शामिल किया गया है।महापरिषद के महासचिव के रूप में कुमार पटेल संगठन की धुरी बने हुए है,जो हर माह वरुंचल माध्यम से संगठन को गति देने के लिए पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे है,वही रांची सम्मेलन को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। (लेखक राष्ट्रहित चिंतक एवं स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता है)

महाकुंभ की महत्व पर उठते कई सवाल



करने से मोक्ष मिलता है व इंसान के सारे पापों का अंत हो जाता है।एक विशेष पक्ष का मानना है कि यह महाकुंभ न केवल धार्मिक आयोजन है,बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत प्रदर्शन भी है।हालांकि यथार्थ की घरातल ये सभी बातें कोपल कलपित लगती है।एक ओर तो हम पृथ्वी से इसरो चन्द्रयान 3 व आदित्या एल वन चाँद व सूर्य की तस्वीर भेज रहे हो।मे यहाँ स्पष्ट कर दूँ कि मै कोई धर्म विरोधी या नास्तिक व्यक्ति नहीं हूँ।।आध्यात्म व धर्म आस्था व धारण की अवधारणाओ पर आधारित होता है।।आज जो महाकुम्भ के नाम की ब्राण्ड,मर्केटिंग व विज्ञापन पोस्टर बाजी,खबरिया चैनल के माध्यम पताल भैरवी राग अलपता जा रहे है,वही दूसरी तरफ शोसल मीडिया के ओछे मानसिकता व हरकतों से कुछ लोग नाराज देख रहे है।इसका बड़ा उद्घाहरण हर्ष रिछरिया,मोनालिसा और आईआई टीन बाबा के नाम से प्रसिद्ध अभय सिंह,ये तीनों ही चेहरे महाकुंभ में ना केवल चर्चित व चर्चा में रहे बल्कि बेलगाम शोसल मीडिया के द्वारा अपने नीजी स्वाथं सिद्धि के कारण कई चेहरों ने सोशल मीडिया पर सुर्खियां तो खुब बटोरें। टी आर पी व अपनी ब्यूवर की संख्या मिलयनों में पहुंचाने के कारण इन चर्चित चेहरों को अध्यात्म व आस्था के संगम को बीच में ही छोड़कर जा चुके है।।महाकुंभ की शुभारम्भ से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई हर्षा रिछरिया को सबसे सुंदर साध्वी का तगमा तक दे दिया गया,लेकिन जब

निरंजनी अखाड़े के रथ पर भी बैठ कर शाही सवारी करते नजर आईं तो इसे लेकर संत समाज में विवाद शुरू हो गया। कुछ संतों ने तो हर्षा के संग रथ पर बैठने और भगवा वस्त्र धारण करने पर अपनी आपत्ति तकजताई।यह मामला इतना तुल पकड़ गया है कि हर्षा रिछरिया ने रोते हुए महाकुंभ छोड़ने तक का ऐलान कर दिया।वहीं दूसरी ओर मोनालिसा भी महाकुंभ छोड़कर चली गई है।।बताया जा रहा है कि ऐसा करने के लिए उसके पिता ने कहा था।मोनालिसा खुबसूरती की वजह से चर्चा में आई।सर्वविदित रहे कि इंदौर की रहने वाली मोनालिसा रुद्राक्ष की माला बेचने कर कुछ पैसे कमाने के लिए यहाँ आई थी।ताकि वहअपने परिवार के भरण पोषण में मदद करे सके,लेकिन महाकुंभ में उनकी खुबसूरती के कारण चर्चा में आ गई।जिसके कारण कुछ लोक उसकी तुलना सिनेजगत व स्वर्ग लोक की परी व कालकारों से कर रहे हैं।वही सोशल मीडिया पर वयरल वीडियो में उसकी आंखों पर काफी रिएक्शन आए।मोनालिसा की बहन ने बताया कि वह तो माला बेचने आई थी,यहाँ के लोग मोनालिसा की माला बेचने नहीं देते थे और वीडियो छुप छुप के बनाते थे,इसी के चलते वह चली गई।इसी तरह आई आई टी एन बाबा के नाम से चर्चा में आए अभय सिंह ने आई आई टी बांब्बे से पढ़ाई की थी।।उनपर आरोप है कि उन्होंने गुरु के प्रति अपशब्दों का प्रयोग किया था।इसी के चलते बाबा को अखाड़ा शिविर और

उसके आस- पास आने पर रोक लगा दी गई है।इस पुरे मामले को लेकर अखाड़े का कहना है कि संन्यास में अनुशासन और गुरु के प्रति समर्पण महत्वपूर्ण है।इसका पालन न करने वाला संन्यासी नहीं बन सकता है।। उपरोक्त उदाहरण एक छोटा किन्तु कटु सत्य है।जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती है।।कुछ लोगो ने तो महाकुंभ को आस्था व भावना से खिलवाड़ व एक राजनीतिक दल नीजी स्वाथं से जोड़ दिया है।।उनका तर्क है कि अगले वर्ष राज्य में विधान सभा के चुनाव होने वाले है,महाकुंभ के नाम सरकारी खजानों व सरकारी तंत्र व जिस तरह से पानी तरह से बहाया जा रहा है।।व्यवस्था के नाम श्रुद्धालुओ के लिए सुविधा के नाम सिर्फ और सिर्फ खाना पुर्ति की गई है।।वह सच्चे-संत साधुओं श्रुद्धाओं को कठिनाईयों का समाना करना पड़ रहा है।।मौनी अमावस्या के अवसर महत्वपूर्ण के पूर्व घंटित घटना ना केवल कई मासूम को जान गवाना पड़ा।इसके पूर्व टेन्ट में आग लगी थी।।जिसकी खबरे छन छन कर आ रही है।।मोदी मीडिया अपने आकाओं की गुनगान व टी आर पी को बढ़ाने के ब्रेकिंग न्यूज देते थक नहीं रहे।। परिणाम स्वरूप महाकुम्भ की महत्व पर कई सवाल उठाए जा रहे। वही भारत जैसे विकासशील देश के लिए सिर्फ ऐसे आयोजन जहाँ करोड़ो जनता को 5 किलो अनाज के लिए लाईनों में खड़ा करना पड़ता है।।शिक्षा व स्वास्थ्य व रोजगार के लिए सड़को पर आये दिनों आन्दोलन करना पड़ता हो,धर्म की आड़ में अपने चेहरे की फैक्टरी चलें,एक वर्ग के मतदाताओं को रिझा -बहका कर अपने पक्ष में वोट करवा सके। महाकुंभ की महता कम सरकार व उनके चेहरे पूँजीपतियों के लिए प्रचार प्रसार के संग मार्केटिंग कर रहें। एक संत ने तो सवाल उठाते हुए यहाँ तक कह दिया कि क्या बात पुरे महाकुंभ माला क्षेत्र सिर्फ दो व्यक्तियों की फोटो लगी।।वही विपक्षी दल के नेता ने कहाँ कि कुम्भ में डुबकी लगाने से महंगाई,भुखमरी व बेरोजगारी देश से समाप्त नहीं होने वाली है।।महाकुंभ की महत्व पर उठते कई सवाल राष्ट्र व समाज के लिए सोचने को मजबुर करती है।।क्या यह वही भारत है जिसकी कल्पना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व आजादी के दीवाने, हमारे स्वतंत्रता सेनानी व संविधान निमाताओं की थी ,जिनहोने भारत को धर्म निरपेक्ष व लोकतांत्रिक देश बनाने की सपना देखा था।।

सर्दियों में स्किन का ख्याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड़ आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो

जाती है तो ऐसे में गुड़ आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

गुड़ को आप कई अलग-अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें-

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क
ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।
आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ
1 बड़ा चम्मच शहद
इस्तेमाल का तरीका-
सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम
ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री-
1 चम्मच गुड़
1 चम्मच घी या नारियल का तेल



इस्तेमाल का तरीका-
गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिलाकर करें।

अब इसे अपने होंठों पर लगाएं।
आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब
गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री-
1 बड़ा चम्मच गुड़
1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी
1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल
स्क्रब बनाने का तरीका-
सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिलाएं।
अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।
इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

हेल्दी डाइट के बाद भी कम नहीं हो रहा वजन तो आज से ही शुरू कर दें यह काम, एक हफ्ते में दिखेगा असर

वेट लॉस करना चाहते हैं और इसके लिए एक्सरसाइज भी करते हैं। हेल्दी खाना भी खाते हैं। लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल रहा। इसके लिए कई बार लाइफस्टाइल की बहुत छोटी बातें जिम्मेदार होती हैं। इस बारे में फिटनेस कोच शितिजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और बताया कि कैसे वर्कआउट करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा।

आखिर क्यों दिखता है बढ़ा हुआ वजन अगर आपका वजन भी रोज एक किलो के करीब ज्यादा दिख रहा तो इसके लिए कई फैक्टर जिम्मेदार होते हैं।

-रात को हाई कार्बोहाइड्रेट वाला डिनर

-स्ट्रेस
-बहुत ज्यादा हैवी वर्कआउट, जिसकी वजह से मसल्स लॉस होने की बजाय स्ट्रेथ पाती हैं।

-रात को देर से खाना
-पीरियड्स के दौरान भी कुछ महिलाओं का वजन बढ़ा हुआ दिखता है।
-अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं हो रही तो भी वेट गेन होगा।

-वेट नापते वक्त आपका पेट खाली होना चाहिए। अगर आप शौच के लिए जाने वाले हैं तो वजन ना तौलें। ऐसे वक्त में भी वेट ज्यादा दिखता है।

-ज्यादा नमक और सोडियम रिच फूड्स खाने की वजह से शरीर में वाटर रिटेंशन की प्रॉब्लम हो जाती है और वजन ज्यादा दिखने लगता है।

कैसे पता करें कि हो रहा वेट लॉस
-अगर आप वजन नापने वाली मशीन पर खड़े होने पर वजन घटा हुआ नहीं पाते तो घबराएं नहीं। रोज वजन घटने की बजाय बढ़ा हुआ दिख रहा तो इस तरह पता करें कि आपकी एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

-आपके कपड़ों की साइज बदल गई है और फिटिंग चेज हो गई है।

-शरीर ज्यादा फ्रेश और स्ट्रांग महसूस करता है। जैसे कि सीढ़ियां चढ़ते वक्त या फिर वेट ट्रेनिंग करना अब पहले से आसान लगता है।

रोज-रोज वजन पलकचुप हो रहा लेकिन लंबे समय में वजन घटा है तो इसका मतलब है कि आपकी डाइट और एक्सरसाइज असर दिखा रही है।



स्वेटर-शॉल पर आ गए हैं रोएं तो निकालने के लिए अपनाएं ये तरीके

गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हट कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं।

दिसंबर और जनवरी का महीना आते-आते कई राज्यों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी ऊनी कपड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान

रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं। इसके साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे कि इन कपड़ों में रोएं न लगें। वहीं रोएं की वजह से आपका कपड़ा खराब हो रहा है, तो आप कंधी वाली ट्रिंक आजमा सकती हैं।

कपड़ों से क्यों निकलते हैं रोएं
कपड़ों को गलत तरीके से धोने या सुखाने से रोएं निकलने लगते हैं।
ऊनी कपड़े पहनकर सोने से भी कपड़ों में रोएं निकलने लगते हैं।
ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोने से रोएं भी निकलने लगते हैं।

सरस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर रोएं निकल सकते हैं।

कंधी से हटाएं रोएं

आप कंधी की मदद से भी वूलेन कपड़ों से रोएं हटा सकती हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें किसी तरह का कोई खर्च नहीं आता है। आप रोएं वाली जगह पर कंधी को घुमाना होगा। ऐसे में कंधी में रोएं फंसकर साफ हो जाएंगे। ध्यान रखें कि रोएं निकालने के लिए पतली कंधी लेनी होगी।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे हैं और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे हैं। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बीड़ी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते हैं। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती है।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते हैं, ये बिल्कुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाए तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी।

जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।

- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनेहल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्ट्रेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं और उनमें खिंचाव आ सकता है। यदि आप स्ट्रेचिंग करना चाहते हैं तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।



सर्दियों में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं

सर्दियों के दौरान हरी सब्जियां खाना काफी पौष्टिक माना जाता है। पालक खाना सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती। ठंड के मौसम में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं, स्वाद इतना गजब सब करेंगे तारीफें।

ठंड के मौसम में साग, पालक और मेशी की सब्जी खूब खाई जाती है। सब्जी मंडी में इस समय पूरे बाजार में हरी सब्जियां नजर आती है। हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। पालक के सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। पालक में भरपूर न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होता है। इस विंटर सीजन में लहसुनी पालक की सब्जी बनाएं, जो स्वाद और हेल्थ के लिए बढ़िया है। आइए आपको लहसुनी पालक रेसिपी बताते हैं।

लहसुनी पालक बनाने के लिए हमें क्या चाहिए?

- 1 बड़ा कटोरा पालक, उबालकर कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1/4 छोटा चम्मच जीरा
- 2 बड़ा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 छोटा कटा प्याज
- 1 चम्मच कटी हरी मिर्च
- 2 साबुत सूखी लाल मिर्च
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 चम्मच मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक

तड़का के लिए

- 1 बड़ा चम्मच शुद्ध घी
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 साबुत सूखी लाल मिर्च
- कटा हुआ टमाटर

लहसुनी पालक कैसे बनाएं

- सबसे पहले आप एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, कटा हुआ लहसुन और साबुत सूखी लाल मिर्च डालें। कुछ समय तक भूनें, फिर आप कटा हुआ प्याज डालें, जब तक यह ग्लोडन ब्राउन न हो जाए।

- अब कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें, फिर कटा हुआ पालक और स्वादानुसार नमक डालें। कुछ मिनट तक भूनते रहें, और परोसने के बर्तन में निकाल लें।

- फिर आप तड़का के लिए शुद्ध घी, जीरा, कटा हुआ प्याज और साबुत सूखी लाल मिर्च के साथ तड़का तैयार करें। जब तक लहसुन सुनहरा भूरा न हो जाए तब तक इसे भूनें।

- अब आप इस तैयार किए हुए तड़के को लहसुनी पालक में डाल दीजिए और कटे हुए टमाटर से गार्निश करें।

नीमच की बेटी देविशा ने किया राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन

68वीं राष्ट्रीय विद्यालयीन जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में टॉप 5 में बनाया स्थान



नीमच। नीमच का नाम खेलों में हमेशा से ही ऊंचा रहा है। इस बार फिर में एक बार नीमच की एक बेटी ने जिम्नास्टिक्स में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में टॉप 5 में स्थान बनाकर नीमच का नाम गौरवान्वित किया है। नीमच शहर की नीमचसिटी की रहने वाली देविशा पिता गजेंद्र (पीयूष) चौधरी ने दिनांक 02 से 03 फरवरी 2024

तक पश्चिम बंगाल के कोलकाता के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के इंडोर स्टेडियम में आयोजित 68वीं शालेय राष्ट्रीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता अंडर 17 वर्ग में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूरे देश भर से आई सैकड़ों खिलाड़ियों में 5वें स्थान पर आई। देविशा नीमच जिले से पहली ऐसी जिम्नास्टिक खिलाड़ी है जिसने ये मुकाम

हासिल किया है। देविशा के कोच राजकुमार सिन्हा ने बताया कि यह हमारे पूरे शहर ही नहीं पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि देशभर के विभिन्न राज्यों की राष्ट्रीय प्रतिभागियों में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन देकर देविशा चौधरी ने अपना स्थान बनाया। देविशा ने जिम्नास्टिक की अनइवन बार पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और टॉप 5 में

रही। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी नीमच के कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तरीय और राज्य स्तरीय पर खेल चुके हैं।

नीमच पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत - देविशा और कोच राजकुमार सिन्हा के नीमच पहुंचने पर भोलियावास स्थित मिताई एक्रोमेनिएक्स जिम्नास्टिक सेंटर पर एक स्वागत समारोह रखा गया। जिसमें खिलाड़ी

देविशा को शुभकामनाएं देने के लिए जिला क्रीड़ा अधिकारी सावित्री मालवीय, बाबूलाल गौड़, किशोर बागड़ी, रमेश मोरे, मालवीय जी, शबनम खान मेडम, उमाकांत पुरोहित, ईश्वर सिंह चौहान, दिलीप रावल, राहुल चौधरी, मुकेश भेपारिया, राकेश सिन्हा, रुक्मणी देवी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

जाजू कॉलेज में वसंतोत्सव के रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम 'उल्लास' का आयोजन



नीमच। श्री सीताराम जाजू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चार दिवसीय वसंतोत्सव के द्वितीय दिवस के सांस्कृतिक कार्यक्रम 'उल्लास' रंगारंग तरीके से सम्पन्न हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती व गणेश पूजन के साथ हुई, जिसमें प्राचार्य डॉ० एन०के० डबकरा, वसंतोत्सव प्रभारी डॉ० बीना चौधरी व अन्य प्राध्यापकों ने पुष्प अर्पण कर सरस्वती पूजन किया व छात्राओं ने मनमोहक सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। आज के कार्यक्रम में नृत्य, गायन की विधाओं में 50 से अधिक समूहों व एकल प्रतिभागियों ने अपनी रंगारंग

प्रस्तुतियां दी, जिससे कॉलेज का माहौल वसंतरूपी खुशनुमा हो गया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री विजय बाफना व श्रीमती बाफना उपस्थित हुए। श्री बाफना ने सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा कर उत्साहवर्धन किया। आज के कार्यक्रम के प्रभारी डॉ० पी.सी. रंका ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम की थीम उल्लास थी, जिसमें छात्राओं व महाविद्यालय के माहौल को उल्लासमय बना दिया। आज के कार्यक्रम का संचालन छात्राओं द्वारा किया गया, जिसमें

रोहिणी मालवीय, एंजेल मित्तल, निहा गुर्जर और लक्की पारवानी ने किया। पूरे कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रतिभागियों का जोश के साथ उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ० एन०के० डबकरा व महाविद्यालय परिवार व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

प्राचार्य डॉ० डबकरा ने बताया कि वसंतोत्सव की अगली कड़ी में बुधवार को वसंत मेले का आयोजन छात्राओं द्वारा किया जाएगा, जिसमें छात्राओं द्वारा विभिन्न व्यंजनों वाले स्टॉल लगाए जाएंगे व सेल्फी पॉइंट तथा फरमाइशी गीत वाले कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

नीमच-झालावाड मार्ग फोरलेन प्राक्कलन प्रस्ताव भेजने के निर्देश

विधायक दिलीपसिंह परिहार ने संभागीय समीक्षा बैठक में उठाए विकास कार्यों के मुद्दे

नीमच। उज्जैन में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में नीमच विधानसभा क्षेत्र में नीमच-झालावाड मार्ग को फोरलेन बनाने प्राक्कलन तैयार करने सहित अन्य विकास कार्यों की धीमी गति का मामला विधायक दिलीपसिंह परिहार ने उठाया, जिस पर बैठक की अध्यक्षता कर रहे म.प्र.शासन के अपर प्रमुख सचिव राजेश राजौरा ने कलेक्टर को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बैठक में संभाग के सभी विधायक, संभागायुक्त, कलेक्टर आदि अधिकारी सम्मिलित हुए, जिसमें नीमच विधायक दिलीपसिंह परिहार ने नीमच में सीएम राईज स्कूल का निर्माण शुरू होने में हो रही देरी, बघाना रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज निर्माण, सिटी फोरलेन निर्माण, हिंगोरीया फाटक पर ओवर ब्रिज निर्माण की धीमी गति के साथ ही शहर में नगरपालिका के माध्यम से किए जा रहे सांवरिया सेट

मंदिर के पीछे नाला सौन्दर्यीकरण और सिटी रोड पर खेल स्टेडियम के निर्माण में हो रही लेटलाती का मुद्दा उठाया, जिस पर अपर प्रमुख सचिव राजेश राजौरा ने कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा से सवाल किया, तो कलेक्टर ने जो दिक्कतें हैं, उनके बारे में अवगत करा दिया और निर्माण कार्यों के सम्बंध में कहा कि कार्य गतिशील है। इस दौरान नीमच-झालावाड रोड को फोरलेन बनाने प्राक्कलन तैयार कर शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर प्रमुख सचिव श्री राजौरा ने लोक निर्माण विभाग, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल संसाधन विभाग,

पीआईयू, स्वास्थ्य विभाग निर्माण कार्य, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल, राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की गई। इस दौरान

नीमच-झालावाड मार्ग को मप्र की सीमा तक फोरलेन बनाने सीएम की घोषणा का मुद्दा भी उठा, जिस पर अपर मुख्य सचिव ने सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को प्राक्कलन तैयार कर शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

ज्ञातव्य है कि उज्जैन सिंहस्थ 2028 को लेकर मप्र शासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसको लेकर संभागीय समीक्षा भी की गई।

पी.एम.आवास योजना के तहत सर्वे कर शेष पात्र हितग्राहियों के नाम सूची में जोड़े - चंद्रा

कलेक्टर ने की जनसुनवाई- 91 आवेदकों की सुनी समस्याएं



नीमच 4 फरवरी (निप्र)। प्रधामंत्री आवास योजना के तहत शेष रहे पात्र हितग्राहियों के नाम पी.एम.आवास सूची में जोड़ने के लिए सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत जिले में गुणवत्तापूर्ण सर्वे कर, सभी शेष रहे पात्र हितग्राहियों के नाम सर्वे सूची में शामिल किए जाए। कोई भी पात्र हितग्राही सर्वे में वंचित ना रहे। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए सभी जनपद सीईओ को दिए। जनसुनवाई में कलेक्टर ने 91 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ एवं जिला अधिकारी भी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में जाट के इकबाल हुसैन ने जमीन का कब्जा दिलाने, भगवानपुरा की अनिता मोगिया ने आवासीय पट्टा दिलाने, बामनिया के सालिगराम ने रास्ते की भूमि पर ज़ुट दिए, अधिक रकबा दर्ज हो जाने से ज़ुटि सुधार करवाने, बरूखेडा के भरूलाल मेघवाल ने वारिसानों द्वारा भरण पोषण से वंचित करने पर स्व अर्जित भूमि से वारिसानों के नाम

हटाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में मण्डी गेट नीमच की मांगीबाई भील, ग्वालटोली के ताराचंद, रतनगढ के गोपालकृष्ण राठीर, धरेंरिया कला के मोहम्मद सिद्दी कुरैशी, चीताखेडा की अर्वाति बाई, बघाना के सलमान, लक्ष्मी चांदमल, गिरदौडा के किशन सिंह, बिसलवास की जानीबाई नाथ, लासुर के योगेश पाटीदार, जावद के जगदीश धाकड़, बांगरेड खेडा के जोरसिंह बंजारा, विकास नगर नीमच की सुनीता चांवाला, मनासा के अनिल नागदा, नीमच सिटी के असरफ खां, पिपलिया बाग के मेहमूद खा, अरनिया मानगिर की भूरीबाई, सिंगोली की सलमा बानो, शांतिबाई गर्ग, दडोली के मनसुख दास, रामपुरा की कुसुम करेल, इनायत पुरा रामपुरा की राधा मोर्य, हुडको कॉलोनी नीमच की अनिता यादव, नीमच सिटी की दुलीबाई मीणा, मनासा के जगन्नाथ गाडी लौहार, लखनसिंह गाडी लौहार एवं जमुनियाकला की सुमित्राबाई ने भी अपना आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाई। जिस पर कार्यवाही के निर्देश संबंधित विभागों के जिला अधिकारियों को दिए गए हैं।

भोपाल। शहरों को झुग्गीमुक्त करने की दिशा में राज्य सरकार ने कदम बढ़ा दिया है। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में हितग्राहियों को आगामी पांच वर्ष में 10 लाख आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 को स्वीकृति दे दी। इसमें केंद्र और राज्य सरकार मिलकर 50 हजार करोड़ रुपये निवेश करेंगी, जिससे न केवल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी बल्कि रोजगार के अवसर भी बनेंगे।

कैबिनेट के महत्वपूर्ण फैसले ये भी - निजी डेवलपर्स से हितग्राही यदि आवास खरीदता है तो अनुदान का बाउचर दिया जाएगा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर सहित अन्य बड़े शहरों को मलिन बस्ती मुक्त करने की दिशा में पीपीपी मॉडल पर आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

नगरीय निकाय, राज्य की अन्य निर्माण एजेंसी के साथ निजी बिल्डर आवास बनाकर देंगे। इसके साथ ही कामकाजी महिला, औद्योगिक श्रमिक, शहरी प्रवासी, बेघर, निराश्रित, छात्रों सहित अन्य पात्र हितग्राहियों के लिए किए गए आवास बनाकर उपलब्ध किए जाएंगे। स्वयं की भूमि पर आवास निर्माण के लिए ढाई लाख रुपये का जो अनुदान दिया जा रहा है, वह जारी रखा जाएगा। बिल्डरों की एक वाइट श्रेणी बनाई जाएगी। इसमें वे बिल्डर शामिल किए जाएंगे, जिनकी योजना को रेटा से अनुमति होगी और रिकार्ड अच्छा होगा। केंद्र सरकार ने योजना में अविवाहित कमाऊ व्यस्क सदस्यों को अलग से लाभ दिए जाने का प्रविधान समाप्त कर दिया है। एक हितग्राही परिवार में अब पति, पत्नी, अविवाहित बेटा-बेटियां शामिल होंगे। 20 वर्ष में किसी भी आवासीय योजना में लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र होंगे।

ज्ञानोदय
मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान
योजना लागू

5 लाख
रुपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को
निःशुल्क उपचार

आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के
भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित
बीमारियों के उपचार निःशुल्क
किए जाएंगे -

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर
एवं इंदौर जाने
की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट
डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच-९६२६२७७८२८२

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***
(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी
के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का।

Zelo Electric
Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866